



घर

घ

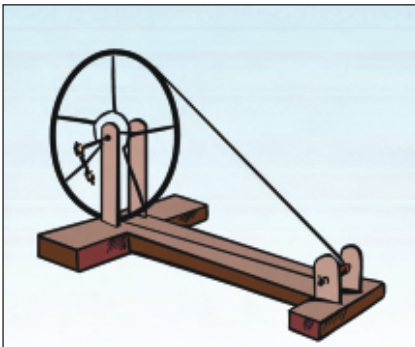
घर अपना है कितना सुंदर ।
देखो उसको बाहर अंदर ॥



रथ

र

रथ पर देखो हुए सवार ।
चले सैर को राजकुमार ॥



चरखा

च

चरखा देखो घूम रहा ।
कितना धागा बुन रहा ॥

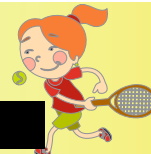


लड़का

ल

लड़का छोटा गोलमटोल ।
सबसे बोले मीठे बोल ॥

निर्देश :- दिए गए चित्रों पर बातचीत करें। चित्र के नीचे संदर्भ पंक्तियाँ लिखी हैं। पंक्तियाँ पढ़कर कुंजी शब्द का उच्चारण करवाएँ। कुंजी शब्द के आधार पर कुंजी वर्ण की पहचान करवाएँ। कुंजी वर्ण से नए शब्द बनाकर उच्चारण करवाएँ। वर्ण शिक्षण के चरणानुसार आगे बढ़ें।



घेरे वाले वर्ण को शब्दों में देखकर उन पर घेरा ○ बनाएँ

घ	घर	घट	पनघट	बाघ
र	रथ	रतन	चरन	नर
च	छिना	चरखा	वचन	चख
ल	लिट	लगन	कल	कलम

घ र च ल वर्णों पर घेरा बनाएँ

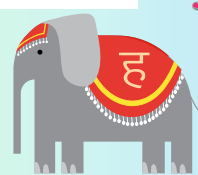
घ	त	न	घ
प	र	स	छ
फ	च	च	न
ल	क	ज	ल
ख	घ	न	र

शब्द की पहचान करवाएँ व मौखिक बुलवाएँ

घर चल

पढ़ें

घर चल । घर चल ।
चल चल । घर चल ।



लिखें

र र र र र

र र र र र

च च च च च

ल ल ल ल ल

घर

चल

घर

चल

.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....

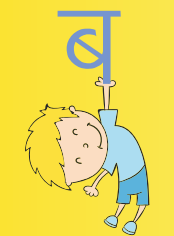
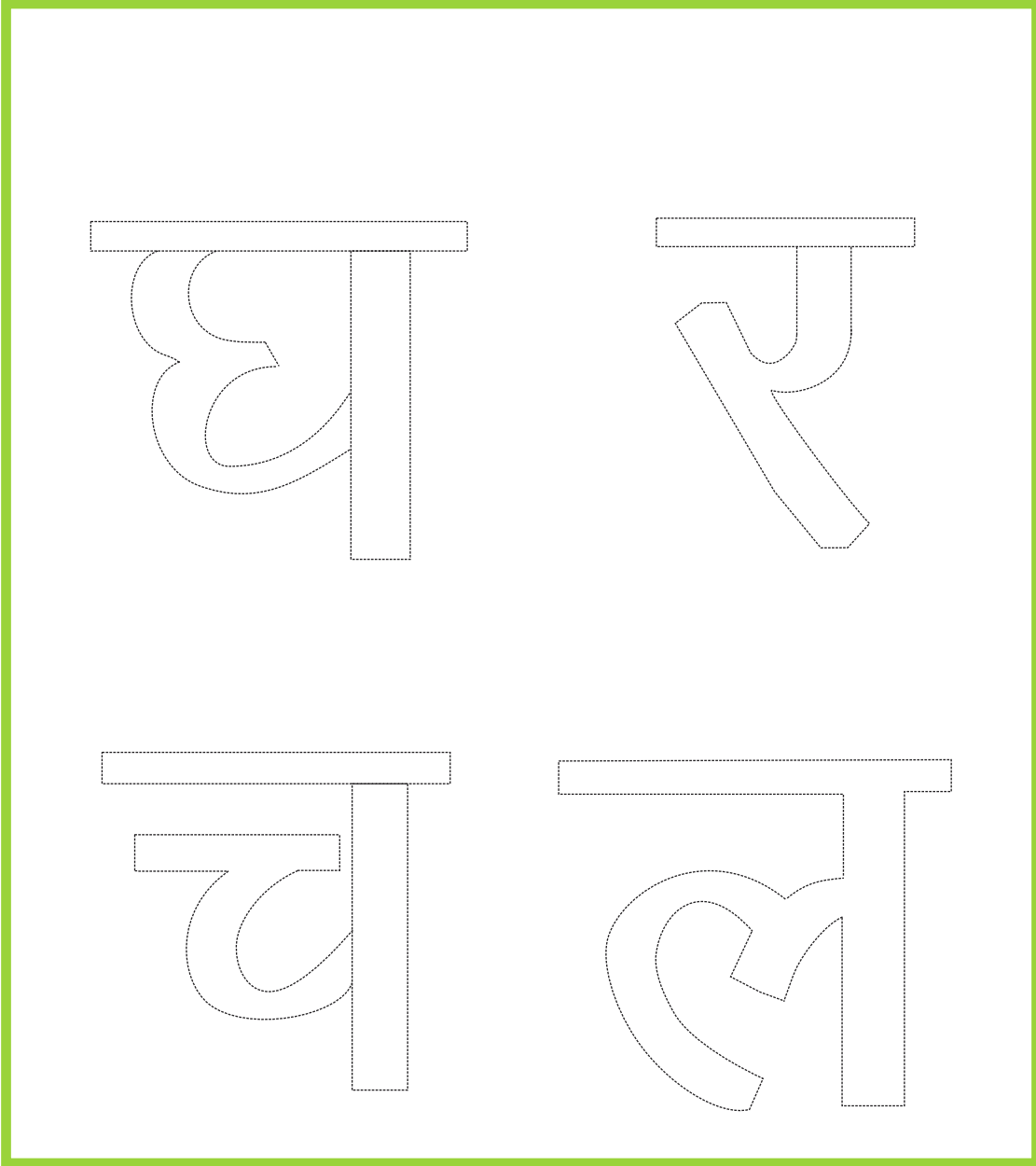
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....



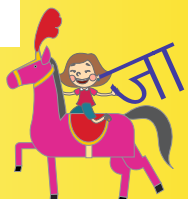
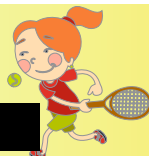
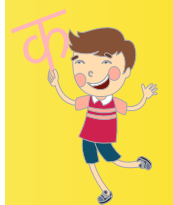
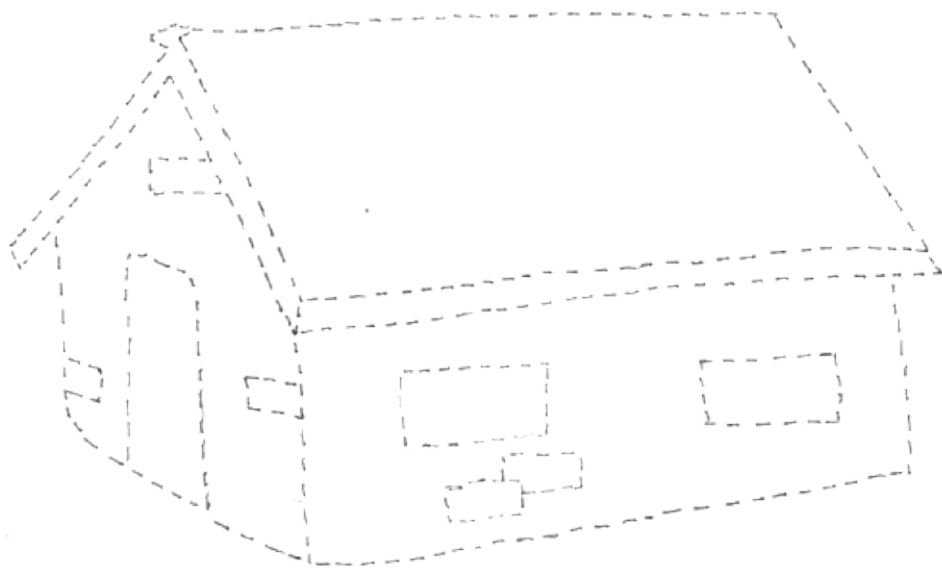
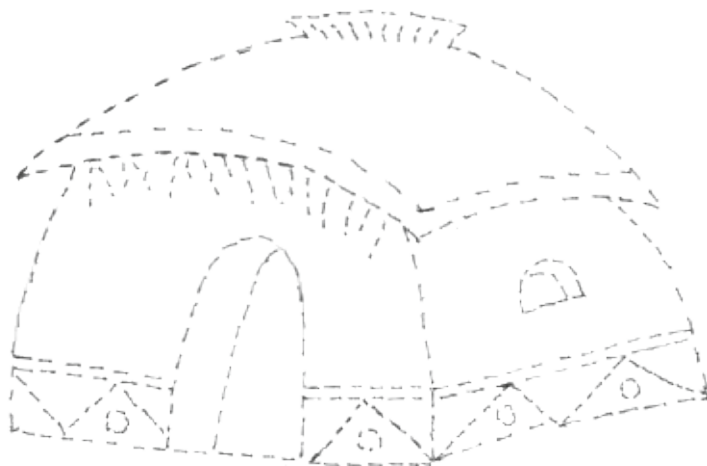


पेंसिल घुमाएँ और रंग भरें





पेंसिल घुमाएँ और रंग भरें



केवल पढ़ने के लिए

सूरज दादा

सूरज दादा, चमको तुम ।।
नया सवेरा लाते रोज,
उजियाला फैलाते रोज,
जहाँ कहीं भी रहते लोग,
रखते सबको तुम्हीं नीरोग,
अच्छे लगते हमको तुम ।
सूरज दादा, चमको तुम ।।

आसमान में रहते हो,
सबकी बाँहें गहते हो,
रोज समय पर आते हो,
रोज भगाते तम को तुम ।
सूरज दादा, चमको तुम ।।

निर्देश :- शिक्षक/शिक्षिका कविता को हाव-भाव से गाएँ और बच्चों से दोहरान करवाएँ ।

